



‘एटम ऑन व्हील अभियान’ की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

5 अक्टूबर, 2023 को हरियाणा के फतेहाबाद ज़िले के गाँव गोरखपुर स्थिति गोरखपुर हरियाणा अणु परियोजना संयंत्र से कॉरपोरेशन के परियोजना नदिशक आरएस बरवाल ने न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया द्वारा संचालित ग्रामीण एकीकरण कार्यक्रम के तहत एटम ऑन व्हील अभियान की शुरुआत की।

प्रमुख बंदि

- वदिति है क आम जनता में परमाणु ऊर्जा को लेकर अलग-अलग तरह की भ्रंंतयिों फैली हुई हैं। इन्हीं भ्रंंतयिों को दूर करने के लयि यह राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया है।
- एटम ऑन व्हील अभियान का मुख्य उद्देश्य परमाणु ऊर्जा को लेकर आम जन की भ्रंंतयिों दूर करना है। इसके लयि एटम ऑन व्हील नाम से बस तैयार की गई है, जसिमें परमाणु ऊर्जा के उत्पादन से लेकर उसके फायदे बताने के लयि प्रदर्शनी लगाई गई है। यह प्रदर्शनी बस गाँव-गाँव में जाएगी। बस में तीन से चार सदस्यीय टीम रहेगी, जो ग्रामीणों के सवालों का जवाब भी देगी।
- एटम ऑन व्हील अभियान हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात व आंध्र प्रदेश में चलाया जाएगा। हर राज्य में चार महीने तक अभियान चलेगा, जसिमें हर महीने 60 से 70 गाँवों को कवर कयिा जाएगा।
- सबसे पहले फतेहाबाद ज़िले के 240 गाँवों में चार महीनों तक यह बस लोगों को परमाणु ऊर्जा के वषिय में जागरूक करेगी। बस हर गाँव के पंचायत भवन, स्कूलों, चकितिसा केंद्रों, सामुदायिक केंद्रों के बाहर खड़ी की जाएगी। हरियाणा के बाद बस को राजस्थान में भेजा जाएगा।
- कॉरपोरेशन की ओर से तैयार करवाई गई वातानुकूलति बस में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन, खपत, वशिषता, देश में चल रहे संयंत्रों और परमाणु ऊर्जा के उपयोग, प्रभाव और सुरक्षा से जुड़ी जानकारयिों को एग्जबिटिस और पैनल के जरयिे दर्शाया गया है।
- इसके अलावा बस के बाहर की तरफ एलईडी और प्रोजेक्टरस लगाए गए हैं, जनिमें काफी रोचक जानकारयिों दखिेंगी।
- कॉरपोरेशन अधिकारयिों के मुताबकि फतेहाबाद ज़िले के गाँव गोरखपुर स्थिति संयंत्र में पहले चरण में 700-700 मेगावाट की दो यूनटि का नरिमाण चल रहा है। पहली यूनटि का काम साल 2028 तक पूरा होगा।
- गौरतलब है क साल 2014 में गाँव गोरखपुर में अणु परियोजना के संयंत्र का शलिनयास तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सहि ने कयिा था।
- पूरी तरह स्वदेशी तकनीकी के इस संयंत्र में कुल 2800 मेगावाट बजिली का उत्पादन होगा। यहाँ 700-700 मेगावाट की चार यूनटि बनेंगी। सारा कार्य साल 2036 तक पूरा होगा। इस संयंत्र नरिमाण पर 50 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।



PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/atom-on-wheels-campaign>

